

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 28 August 2026

मेहनत, ईमानदारी और हिम्मत : होटल जय भवानी की प्रेरक यात्रा

Publisher

Published on 22 Jan 2026



कहते हैं कि सच्ची सफलता वही होती है, जो कठिन हालातों से निकलकर बनाई जाए। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी है **छत्रपति संभाजीनगर** के युवा उद्यमी **श्री ऋतेश संजय पुसे** की, जिन्होंने अभाव, अपमान और संघर्ष के बीच अपने परिश्रम, ईमानदारी और दृढ़ निश्चय से अपनी अलग पहचान बनाई। आज वे **जय भवानी भोजनालय** और **होटल जय भवानी** के सफल संचालक हैं, जो छात्रों और कामकाजी वर्ग को सस्ता, स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रहे हैं।

आर्थिक संघर्षों में बीता बचपन

ऋतेश पुसे का जन्म एक आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में हुआ। उनके पिता हाथगाड़ी पर सब्जी बेचकर परिवार का गुज़ारा करते थे, जबकि माता घरेलू काम करके हर घर से कुछ सौ रुपये कमाती थीं। तीन बेटे और एक सबसे छोटी बेटी सहित छह सदस्यों के परिवार का पालन-पोषण करना रोज़ की चुनौती थी।

इन परिस्थितियों के बावजूद ऋतेश ने पढ़ाई जारी रखी और **बीए (Bachelor of Arts)** की डिग्री प्राप्त की। हालांकि, आर्थिक दबाव के कारण उन्हें कम उम्र में ही काम करना पड़ा।

पढ़ाई के साथ मेहनत और संघर्ष

10वीं कक्षा की गर्मी की छुट्टियों में ही ऋतेश ने शहर में नौकरी की तलाश शुरू कर दी। हथकरघा दुकानों, होटल, कैफे और छोटे-बड़े प्रतिष्ठानों में उन्होंने काम किया—कई बार मात्र **3,000 रुपये मासिक वेतन** पर।

परिवार की मजबूरी के चलते वे कॉलेज नियमित रूप से नहीं जा सके। दाखिला लेकर मुख्यतः परीक्षाएँ देते रहे और बाकी समय परिवार के लिए मेहनत करते रहे। ईमानदार और मेहनती होने के बावजूद कई जगह उनका शोषण भी हुआ।

लॉकडाउन का दर्द और निर्णायक मोड़

कोरोना लॉकडाउन के दौरान एक घटना ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। एक दुकान मालिक द्वारा समय पर दुकान बंद न करने के कारण देर रात पुलिस द्वारा मारपीट का सामना करना पड़ा। यह अपमान उनके मन में गहरे बैठ गया।

यहीं से उन्होंने तय किया—**अब दूसरों के लिए नहीं, खुद के लिए कुछ करना है।**

मात्र 9,000 रुपये से शुरुआत

सिर्फ **9,000 रुपये** की पूंजी लेकर ऋतेश ने अपने घर के पास एक छोटे से शटर वाले स्थान को किराए पर लिया। शुरुआत में माता-पिता को चिंता थी, लेकिन माँ का भरोसा और मकान मालिक का सहयोग (बिना एडवांस किराया) उनके लिए संबल बना।

चार टेबल, आठ कुर्सियाँ, सीमित बर्तन और एक छोटी सी पूजा—इसी से शुरू हुआ **जय भवानी भोजनालय**।

स्वाद और भरोसे ने बनाई पहचान

पहले ही दिन चार छात्रों ने भोजन किया और स्वाद की तारीफ की। धीरे-धीरे छात्रों की संख्या बढ़ने लगी। पिता द्वारा रोज़ ताज़ी सब्ज़ी की आपूर्ति से खाने की गुणवत्ता बनी रही, जिसने ग्राहकों का भरोसा जीता।

काम बढ़ने पर रोटी बनाने के लिए अतिरिक्त मदद रखी गई। एक भावनात्मक मोड़ तब आया जब ऋतेश ने अपने पिता से सब्ज़ी की गाड़ी छोड़कर भोजनालय में साथ काम करने को कहा—यह उनके संघर्ष से सम्मान तक के सफर का प्रतीक था।

70 रुपये में भरपेट भोजन, दुआओं के साथ

क्रांति चौक के पास स्थित जय भवानी भोजनालय छात्रों, मजदूरों और कार्यालय कर्मचारियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हुआ। मात्र **70 रुपये में पूरा भोजन** मिलने से लोग न केवल संतुष्ट हुए, बल्कि ऋतेश को दिल से दुआएँ भी देने लगे।

यही दुआएँ और भरोसा उनके अगले सपने की नींव बनीं।

होटल जय भवानी की शुरुआत

एक दिन भोजन से प्रभावित एक ग्राहक ने ऋतेश को होटल चलाने का प्रस्ताव दिया। परिवार और दोस्तों के मजबूत समर्थन से उन्होंने यह अवसर स्वीकार किया।

धीरे-धीरे **होटल जय भवानी** भी सफलतापूर्वक संचालित होने लगा—और ऋतेश का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ।

परिवार, दोस्त और विश्वास—सफलता के तीन स्तंभ

ऋतेश अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, दोस्तों और शुभचिंतकों को देते हैं। उनके दोस्तों का एक ही वाक्य हमेशा उनका हौसला बना—

“तू शुरू कर, हम तेरे साथ हैं।”

उम्मीद और आत्मनिर्भरता का संदेश

कभी बेरोज़गारी और अनिश्चित भविष्य से जूझने वाले **ऋतेश संजय पुसे** आज न केवल अपने परिवार का सहारा हैं, बल्कि समाज को सस्ती और ईमानदार सेवा भी दे रहे हैं।

जय भवानी भोजनालय और **होटल जय भवानी** सिर्फ खाने की जगह नहीं, बल्कि संघर्ष, सम्मान और आत्मनिर्भरता की जीवंत मिसाल हैं।

सम्मान और पहचान

श्री ऋतेश संजय पुसे की इस शानदार उपलब्धि को **“Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025”** जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए चुना गया है। यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा उन उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

भव्य पुरस्कार समारोह

इस पुरस्कार समारोह में कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियाँ शामिल होंगी:

❓ **वर्षा उसगांवकर** – बॉलीवुड अभिनेत्री

❓ **सोनाली कुलकर्णी** – भारतीय अभिनेत्री

❓ **प्रार्थना बेहेरे** – भारतीय अभिनेत्री

यह आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, *Founder & CEO, Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd. (Reseal.in)* के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा, जो महाराष्ट्र के उद्यमियों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने के लिए कार्यरत हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.